लाख् 1. P. (शोषणालमर्थयोः) arescere; ornare. Cf. राख् p. 288, ubi राख् pro राघ् legendum.

लाघ् 1. A. i. q. राघ्.

लाघव n. (a लघु levis s. अ) levitas; *trop.* contemtus. Bh. 2.35.

लाङ्गुल n. (ut videtur, a r. लङ्ग् s. उल) cauda *pilosa.* Hit. 26.5.76.6.

लाङ्गूल n. *id.* Hit. 51.16.

लाज् 1. P. (भर्त्सने K. भर्त्सने भर्गे V.) minari, terrere; frigere, assare, torrere.

लाञ्छ् 1. P. i. q. लच्छ्.

लाञ्छन n. (r. लाञ्छ् s. अन) nota, signum.

लाञ्ज् 1. P. (scribitur लाज्, gr. 110a).) i. q. लाज्.

लाभ् 10. P. (प्रेरणे K.) mittere.

लाभ m. (r. लभ् s. अ) 1) adeptio, impetratio. Hit. 4.3. 2) lucrum. N. 12.132. Bh. 2.38. (*V.* लभ्.)

लालस (a लालस् - INTENS. rad. लस् - s. अ) desiderans. In. 5.1. N. 12.84.124.13.1.

लाला *f.* saliva. Ritu-S. 1.5.

लावण्य n. (a लवण sal s. य) 1) salsitudo. 2) pulchritudo, venustas. Hit. 31.20.63.15.

लिख् 1. 6. P. 1) scarificare, leviter incidere, radere, scalpere, (v. compp. c. उत्, प्र, वि). Hit. 43.15.: काकश्च तस्यो 'परि चञ्च्वा किमपि लिखतु. Tangere. Bhatt. 15.22.: मूर्ध्ना दिवम् इवा 'लेखीत् (schol. Bh. स्पृष्टवान्; v. praef. उत्). 2) scribere. Hit. 4.4.: मित्रलाभः ... लिख्यते. 3) delineare, pingere. Mah. 2.731.: यो माम् भक्त्या लिखेत् कुड्ये. (Huc trahi posset lat. *ri-ma,* cf. रेखा pro लेखा.)

c. अभि scribere. Ur. 24.12.: अभिलिख्य.

c. आ delineare, pingere. Sa. 2.13.: चित्रे ऽपिचा "लिखत्य् अश्वान्.

c. उत् scarificare, radere. Mah. 3.374.: चरणेनो 'ल्लिखन् महीम्. Tangere. N. 12.53.: खम् उल्लिखद्भिः ... शृङ्गशतैः.

c. प्र scarificare, radere. Man. 4.55.: न ... प्रलिखेद् भूमिम्.

c. वि *id.* A. 3.19.: पृथिवीं विलिखंश् चरणैः; Ragh. 6.15.: पादेन हैमं विलिलेख पीठम्.

लिङ्ख् 1. P. (scribitur लिख्, gr. 110a).) ire. *V.* रख्.

1. **लिङ्ग्** 1. P. (गतौ, scribitur लिग् gr. 110a).) ire. *V.* रख्.

c. आ amplecti. Hit. 42.9.: निर्दयम् आलिङ्ग्य. — Atm. R. Schl. II. 64.30.: किन् नु ना "लिङ्गसे.

c. आ praef. प्रति vicissim amplecti. Mr. 176.13.

c. आ praef. सम् amplecti. H. 4.20. Br. 2.36.

2. **लिङ्ग्** 10. P. (चित्रीकरणे K. चित्रे V.; scribitur लिग्) pingere. *Cf.* लिख्.

लिङ्ग n. (r. लिङ्ग् s. अ) 1) signum, indicium. N. 5.14. Bh. 14.21. 2) penis. 3) phallus.

लिप् 6. P. A. लिम्पामि, लिम्पे (gr. 335.) ungere, oblinere, contaminare, polluere. Bhatt. 19.11.: रम्यैर् लिम्पेत (schol. विलेपयथ) वर्णकैः; Hit. 21.14.: मांसासृग्लिप्तान्य् अस्थीनि. TROP. Bh. 4.14.: न माङ् कर्माणि लिम्पन्ति; 5.10.: लिप्यते न स पापेन. (Cf. gr. λίπος, λιπάζω, ἀ-λείφω, lat. *li-no, lī-mus, de-lībuo,* lith. *pri-lip-ti* adhaerere, *ankleben,* praes. *pri-limpù* = प्रलिम्पामि; slav. *ljep-i-ti* glutinare; hib. *laib, laibe* «mire, dirt, clay»; germ. vet. *lîm* gluten; Pottius I. 258. huc trahit goth. *salbôn - sa-lbôn* - nostrum *salben,* ita ut *sa* respondeat praep. सम् vel स et *lb* radici लिप्.

c. अनु *i. q. simpl.* Hit. 42.1.: राजपुत्रेण स्नातानुलिप्तेन; N. 16.13.: मलपङ्कानुलिप्ताङ्गीम्.

c. अव अवलिप्त vanus, fastuosus, superbus. Br. 1.11.19.

c. आ *i. q. simpl.* Mah. 2624.

c. उप *id.* Mah. 2.2625.: पांसूपलिप्तसर्वाङ्गः; Bh. 13.32. *Caus.* oblinendum curare. Man. 3.206.

c. वि *i. q. simpl.* Hit. 128.12.

c. सम् *Caus.* ungere. Mah. 1.4950.: चन्दनेन ... समलेपयन्.

लिप्स् *Desid.* rad. लभ् (gr. 552.).

1. **लिश्** 6. P. (गतौ K. गत्याम् V.) ire.

2. **लिश्** 4. P. (अल्पीभावे K. तौक्ष्ये V.) parvum, exiguum esse. *V.* लेश. (Benfey huc trahit gr. ὀ-λίγος,